



Si	gnature and Name of Invigilator	OMR Sheet No.:	
		(To be filled by the Candid	
1.	(Signature)	Roll No.	
	(Name)	(In figures as per admission ca	
		(in figures as per admissio	n ca

Roll No. _

Test Booklet No.

D - 0308

2. (Signature) ____

 $(Name)_{-}$

PAPER-II

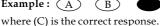
PHILOSOPHY Time: $1\frac{1}{4}$ hours [Maximum Marks: 100

Number of Pages in this Booklet: 24

Instructions for the Candidates

- 1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below:
 - To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be
 - (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered in the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test
- 4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

Example: (A) (B)







Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it

6. Read instructions given inside carefully.

will not be evaluated.

- 7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
- 8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
- 9. You have to return the test question booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination
- 10. Use only Blue/Black Ball point pen.
- 11. Use of any calculator or log table etc., is prohibited.
- 12. There is NO negative marking.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

Number of Questions in this Booklet: 50

(In words)

- 1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
- 2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
- 3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
 - कवर पष्ट पर छपे निर्देशानसार प्रश्न-पस्तिका के पष्ट तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रृटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।
 - (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-प्स्तिका की ऋम संख्या OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक की ऋम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
- प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आप<mark>को सही उत्तर</mark> के दीर्घवृ<mark>त्त को पेन से भरकर काला</mark> करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

उदाहरण : (A) (B) (D) जबकि (C) सही उत्तर है।







5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते है, तो उसका मुल्यांकन नहीं होगा।

- 6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पहें।
- 7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
- 8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
- 9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न
- 10. केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।
- 11. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
- 12. गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

Test Prime

ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION



70,000+ Mock Tests



600+ Exam Covered



Personalised Report Card



Previous Year Papers



Unlimited Re-Attempt



500% Refund

















ATTEMPT FREE MOCK NOW





PHILOSOPHY

PAPER-II

Note: This paper contains **fifty** (50) multiple-choice questions, each question carrying **two** (2) marks. Attempt **all** of them.

D –	0308				2									
	(A)	Śaṅkara	(B)	Rāmānuja	1	(C)	Madhva		(D)	Nimbārka				
6.	Sattā	itraividhyav	āda is uph	eld by :										
	(A)	Plato	(B) Pyth	nagoras	(C)	Aris	totle	(D)	Xeno	ophanes				
5.	The	father of we	estern logic	is:										
	(D)	Whatever	originates,	originates d	epend	ling of	n some cond	ition	S					
	(C) Some elements do not originate(D) Whatever originates, originates depending on some conditions													
	(B)		permaner											
	(A)		is, is mome											
4.	Prat	ityasamut pi	ada states	tnat :										
4	D (:1	=1	.1 . –										
	(11)	Tiato	(D)	Sociates		(C)	St. Mugusti	i iC	(D)	Tillstotle				
3.	(A)	Plato	(B)	Socrates	pourid	(C)	St. Augusti	na	(D)	Aristotle				
3.	The	concept of '	Humozied n	nover' is pro	nound	ed by	, .							
	(A)	Locke	(B)	Spinoza		(C)	Descartes		(D)	Berkeley				
۷.		•			prop		Descartes		(D)	Powkolorz				
2.	Mina	d-body inte	ractionism	is a doctrine	nron	ounde	ed by :							
	(C)	Consumer	of the <u>hav</u>	<u>ya</u>	(D)	Non	e of the abov	e						
	, ,		of the bay	110	, ,	· <u></u> -	_	0						
	(A)	Devatā			(B)	Rtvi	k							
1.	The <u>havya</u> of a <u>yajña</u> brings benefit to:													





दर्शनशास्त्र

प्रश्नपत्र — II

नोट :	इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
1.	यज्ञ का हव्य किसे लाभ पहुँचाता है?
	(A) देवता (B) ऋत्विक्
	(C) हव्य का उपभोक्ता (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
2.	मन-शरीर के क्रियाप्रतिक्रियावाद के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया गया है :
	(A) लाक द्वारा (B) स्पिनोजा द्वारा (C) देकार्त द्वारा (D) बर्कले द्वारा
3.	'अप्रवर्तित प्रवर्त्तक' की अवधारणा का प्रति <mark>पाद</mark> न किया गया है :
	(A) प्लेटो द्वारा (B) सुकरात द्वारा (C) सन्त अगस्टाइन द्वारा (D) अरस्तू द्वारा
4.	प्रतीत्यसमुत्पाद के अनुसार : (A) जो कुछ भी है, वो क्षणिक है। (B) कोई शाश्वत आत्मा नहीं है।
	(C) कुछ तत्व का उद्भव नहीं होता है।
	(D) जो कुछ का उत्पन्न होता है वह, कारणों पर आश्रित होकर उत्पन्न होता है।
5.	पश्चिमी तर्कशास्त्र का पिता कौन है?

सत्तात्रैविध्यवाद का समर्थन कौन करते थे? 6.

(A) प्लेटो

(A) शंकर (B) रामानुज

(B) पाइथागोरस

(D) निम्बार्क

(D) ज़नोफेनिस

(C) अरस्तू

(C) मध्व





7.	Para	taḥprāmāṇyavāda claims that :												
	(A)	Prāmāṇya cannot be ascertaine	d at all	by any pramāṇa.										
	(B)	(B) <u>Prāmāṇya</u> is self-ascertained.												
	(C)	C) The causal conditions that produce prama produce its pramanya also.												
	(D)	(D) The causal conditions that produce <u>prama</u> do not produce its <u>pramaṇya</u> .												
8.	<u>Pant</u>	<u>Pantheism</u> is a theory which advocates that :												
	(A)	God is different from the world												
	(B)	(B) God is same as world												
	(C)	God is both identical with and o	differen	t from world										
	(D)	O) God is indifferent to the world												
9.	The	statement 'vahninā siñcati' lacks	the cor	ndition of :										
	(A)	Akāinkṣā (B) Yogyatā		(C) <u>Sannidhi</u> (D) <u>Tātparya</u>										
10.	Acco	ording to the Naiyāyikas wh <mark>at ty</mark> j	pe of ki	nowledge is atindriya ?										
	(A)	Savikalpaka pratyakṣa	(B)	Nirvikalpaka pratyakṣa										
	(C)	S'ābd <mark>ab</mark> odha	(D)	Anumiti										
11.		eiving muddy water in the over- ince of :	flowing	r <mark>iver the</mark> infer <mark>en</mark> ce of previous rain is an										
	(A)	S'eṣavat anumana	(B)	<u>Pūrvavat</u> anumāna										
	(C)	Neither (A) nor (B)	(D)	Upamāna										
12.	Who	does <i>not</i> accept nirguṇa Brahm	an 2											
14.		,		(C) Hanning d (D) Sumos'your										
	(A)	Sankara (B) Madhva		(C) Upaniṣad (D) Sures'vara										
13.	Acco	ording to the vais'eṣikas ghaṭābhā	va resi	des on the ground by the relation of :										
	(A)	Samavāya	(B)	Saṁyoga										
	(C)	<u>Svarūpa</u>	(D)	None of the above										
D	0208		1											



7.	परतः प्रमाण्यवाद दावा करता है कि :												
	(A)	प्रामाण्य किसी प्रमाण द्वारा निश्चित बिल्कुल नहीं किया जा सकता है।											
	(B)	B) प्रामाण्य स्वतः सिद्ध है।											
	(C)	(C) कारणात्मक दशाएं जो प्रमा उत्पन्न करती हैं वो उसका प्रामाण्य भी उत्पन्न करती हैं।											
	(D)	D) कारणात्मक दशाएं जो प्रमा उत्पन्न करती हैं वो उसके प्रामाण्य को नहीं उत्पन्न करती हैं।											
8.	सर्वेश्व	त्ररवाद सिद्धान्त वह है जो यह प्रतिपादित करता है कि :											
	(A)	ईश्वर जगत से भिन्न है।											
	(B) ईश्वर जगत के समान है।												
	(C) ईश्वर जगत से भिन्न और अभिन्न दोनों है।												
	(D)												
	` '												
9.	'वहिन	नना सिंचति' के अभिकथन में निम्न स्थि <mark>ति की कमी</mark> है :											
	(A)	आकांक्षा (B) योग्यता (C) सित्रिधि (D) तात्पर्य											
10.	नैयायि	पकों के अनुसार अतीन्द्रिय किस <mark>प्रकार का ज्ञान है?</mark>											
	(A)	सविकल्पक प्रत्यक्ष (B) निर्विकल्पक प्रत्यक्ष											
	(C)	शाब्दबोध (D) अनुमिति											
11.		वाली नदी में कीचड़ वाला जल देखने पर पूर्ववर्ती वर्षा के अनुमान का उदाहरण प्रस्तुत करता है :											
	(A)	शेषवत् अनुमान का (B) पूर्ववत् अनुमान का											
	(C)	न तो (A) और न (B) (D) उपमान का											
12.	निर्गुण	। ब्रह्मन् को कौन नहीं प्रतिपादित करता?											
	(A)	शंकर (B) मध्व (C) उपनिषद् (D) सुरेश्वर											
13.	वैशेषि	क के अनुसार भूतल पर घटाभाव निम्न सम्बन्ध द्वारा स्थापित होता है :											
	(A)	समवाय (B) संयोग											
	(C)	स्वरूप (D) उपरोक्त में से कोई नहीं											





14.	Which of the following theory does Kumārila favour?											
	(A)	Akṛṭis'akṭivāda		(B)	<u>Vyaktis'aktivāda</u>							
	(C)	Dravyas'aktivāda		(D)	<u>Jātis'aktivāda</u>							
15.	Who	has propounded for t	he first time	the la	nw of sufficient reason?							
	(A)	Aristotle (B)	Mill		(C) Leibniz (D) Descartes							
16.		ch pair among the fo eșikas ?	ollowing po	ssess	es atomic magnitude according to the							
	(A)	Mind and body		(B)	Mind and soul							
	(C)	Mind and atoms		(D)	Mind and akshara							
17.		•		cause	of the world is propounded by:							
	(A)	Rāmānuja (B)	Saṅkara		(C) Madhva (D) Vallabha							
18.	Sam	avava relating a ghata	with ghata	atva re	elates itself with the ghata by the relation							
10.	of:		With State		of the relation							
	(A)	Saṁyoga		(B)	Svarupa							
	(C)	Samavāya		(D)	None of the above							
	()											
19.	A bu	ındle of threads is qual	itatively dif	ferent	from a piece of cloth is claimed by:							
	(A)	Satkāryavāda		(B)	<u>Asatkāryavāda</u>							
	(C)	Pratityasamutpada		(D)	None of the above							
20.	The	so-called inferential kr	owledge tha	at 'fire	e is cold' is vitiated by the fallacy of :							
	(A)	Savyabhicāra (B)	B a dhita		(C) <u>Viruddha</u> (D) <u>Asiddha</u>							
	(11)	Suvyuemeuru (2)	<u>Baarita</u>		(c) <u>rindaria</u> (b) <u>rindaria</u>							
21.	The	founder of Neo-Buddh	ism :									
	(A)	Gandhi		(B)	Tagore							
	(C)	Radhakrishnan		(D)	Ambedkar							





P.T.O.

निम्नलिखित सिद्धान्तों में से, कुमारिल किस का समर्थन करते है?											
(A)	आकृतिशक्तिवाद			(B)	व्यक्ति	शक्तिवाद					
(C)	द्रव्यशक्तिवाद			(D)	जातिश	ाक्तिवाद					
पर्याप्त	कारणता के सिद्धान्त	का प्रथ	म बार किसने	प्रतिपाद	न किया	?					
(A)	अरस्तू	(B)	मिल		(C)	लाइबनीज	(D)	देकार्त			
वैशेरि	कों के अनुसार निम्नी	लेखित	में से कौन सा	जोड़ा ३	नणु परिग	माण रखता है?					
(A)	मनस् और शरीर			(B)	मनस्	और आत्मा					
(C)	मनस् और परमाणु			(D)	मनस्	और अक्षर					
यह दृ	ष्टिकोण कि जगत का	निमित्त	कारण केवल	ईश्वर है	इ, किसने	ो प्रतिपादित किया?)				
(A)	रामानुज	(B)	शंकर		(C)	मध्व	(D)	वल्लभ			
समवा	य, घट को घटत्व के	साथ स	म्बन्धित करते	हुए अप	ने को घ	ट से निम्न सम्बन्ध	द्वारा सम्ब	न्धित करता है :			
(A)	संयोग			(B)	स्वरूप	j					
(C)	समवाय			(D)	उपरोत्त	ह में से कोई नहीं					
धागों	का बण्डल कपड़े के	टुकड़े रं	में गुणात्मक रूप	प से भि	न्न होता	है, यह किस <mark>ने</mark> दावा	किया?				
(A)	सत्कार्यवाद			(B)	असत्व	हार्यवाद					
(C)	प्रतीत्यसमुत्पाद			(D)	उपरोत्त	o में से कोई नहीं -					
तथाक	थित अनुमिति ज्ञान वि	ь 'आग	। शीतल हैं कि	त्स हेत्व	ाभास द्वा	रा संदूषित की गई	है ?				
(A)	सव्यभिचार	(B)	बाधित		(C)	विरुद्ध	(D)	असिद्ध			
नव-ब	ग्रौद्ध दर्शन के संस्थापव	क्र कौन	हैं?								
(A)	गांधी			(B)	टैगोर						
(C)	राधाकृष्णन्			(D)	अम्बेड	उकर					
	(A) (C) पर्याप्त (A) (B) पर्याप्त (A) पर्याप्त (A) प्रामां (A) प्रामां (A) प्रामां (A) प्रामां (A)	(A) आकृतिशक्तिवाद (C) द्रव्यशक्तिवाद पर्याप्त कारणता के सिद्धान्त (A) अरस्तू वैशेसिकों के अनुसार निम्नि (A) मनस् और शरीर (C) मनस् और परमाणु यह दृष्टिकोण कि जगत का (A) रामानुज समवाय, घट को घटत्व के (A) संयोग (C) समवाय धागों का बण्डल कपड़े के (A) सत्कार्यवाद (C) प्रतीत्यसमुत्पाद तथाकथित अनुमिति ज्ञान वि (A) सव्यभिचार नव-बौद्ध दर्शन के संस्थापव (A) गांधी	(A) आकृतिशक्तिवाद (C) द्रव्यशक्तिवाद पर्याप्त कारणता के सिद्धान्त का प्रथ (A) अरस्तू (B) वैशेसिकों के अनुसार निम्निलिखत (A) मनस् और शरीर (C) मनस् और परमाणु यह दृष्टिकोण कि जगत का निमित्त (A) रामानुज (B) समवाय, घट को घटत्व के साथ स (A) संयोग (C) समवाय धागों का बण्डल कपड़े के टुकड़े से (A) सत्कार्यवाद (C) प्रतीत्यसमुत्पाद तथाकथित अनुमिति ज्ञान कि 'आग (A) सव्यभिचार (B) नव-बौद्ध दर्शन के संस्थापक कौन (A) गांधी	(A) आकृतिशक्तिवाद (C) द्रव्यशक्तिवाद पर्याप्त कारणता के सिद्धान्त का प्रथम बार किसने (A) अरस्तू (B) मिल वैशेसिकों के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा (A) मनस् और शरीर (C) मनस् और परमाणु यह दृष्टिकोण कि जगत का निमित्त कारण केवल (A) रामानुज (B) शंकर समवाय, घट को घटत्व के साथ सम्बन्धित करते (A) संयोग (C) समवाय धागों का बण्डल कपड़े के टुकड़े से गुणात्मक रूप (A) सत्कार्यवाद (C) प्रतीत्यसमुत्पाद तथाकथित अनुमिति ज्ञान कि 'आग शीतल है' कि (A) सव्यभिचार (B) बाधित नव-बौद्ध दर्शन के संस्थापक कौन हैं? (A) गांधी	(A) आकृतिशक्तिवाद (B) (C) द्रव्यशक्तिवाद (D) पर्याप्त कारणता के सिद्धान्त का प्रथम बार किसने प्रतिपाद (A) वैशेसिकों के अनुसार निम्निलिखित में से कौन सा जोड़ा अ (A) (A) मनस् और शरीर (B) (C) मनस् और परमाणु (D) यह दृष्टिकोण कि जगत का निमित्त कारण केवल ईश्वर है (A) रामानुज (B) समवाय, घट को घटत्व के साथ सम्बन्धित करते हुए अप (A) संयोग (B) (C) समवाय (D) धागों का बण्डल कपड़े के टुकड़े से गुणात्मक रूप से भि (A) सत्कार्यवाद (B) (C) प्रतीत्यसमुत्पाद (D) तथाकथित अनुमिति ज्ञान कि 'आग शीतल है' किस हेत्व (A) सव्यभिचार (B) वाधत (A) गांधी (B) वाधित	(A) आकृतिशक्तिवाद (B) व्यक्ति (C) द्रव्यशक्तिवाद (D) जातिश्वर (D) जात	(A) आकृतिशक्तिवाद (B) व्यक्तिशक्तिवाद (C) द्रव्यशक्तिवाद (D) जातिशक्तिवाद पर्याप्त कारणता के सिद्धान्त का प्रथम बार किसने प्रतिपादन किया? (C) लाइबनीज (A) अरस्तू (B) मिल (C) लाइबनीज वैशेसिकों के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा जोड़ा अणु परिमाण रखता है? (A) मनस् और शरीर (B) मनस् और अक्षर यह दृष्टिकोण कि जगत का निमित्त कारण केवल ईश्वर है, किसने प्रतिपादित किया? (C) मध्य समवाय, घट को घटत्व के साथ सम्बन्धित करते हुए अपने को घट से निम्न सम्बन्ध (A) संयोग (B) स्वरूप (C) समवाय (D) उपरोक्त में से कोई नहीं धागों का बण्डल कपड़े के टुकड़े से गुणात्मक रूप से भिन्न होता है, यह किसने दावा (A) सत्कार्यवाद (B) असत्कार्यवाद (C) प्रतीत्यसमुत्पाद (D) उपरोक्त में से कोई नहीं तथाकथित अनुमिति ज्ञान कि 'आग शीतल है' किस हेत्वाभास द्वारा संदृषित की गई तथा (A) सव्यभिचार (B) बीधत (C) विरुद्ध तथाकथित अनुमिति ज्ञान कि संस्थापक कौन हैं? (B) वैगोर	(A) आकृतिशक्तिवाद (B) व्यक्तिशक्तिवाद (C) द्रव्यशक्तिवाद (D) जातिशक्तिवाद पर्याप्त कारणता के सिद्धान्त का प्रथम बार किसने प्रतिपादन किया? (C) लाइबनीज (D) वैशेसिकों के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा जोड़ा अणु परिमाण रखता है? है? (A) मनस् और शरीर (B) मनस् और आत्मा (C) मनस् और उक्षर किसने प्रतिपादित किया? (A) रामानुज (B) शंकर (C) मध्य (D) समवाय, घट को घटत्व के साथ सम्बन्धित करते हुए अपने को घट से निम्न सम्बन्ध द्वारा सम्ब (A) संयोग (B) स्वरूप (C) समवाय (D) उपरोक्त में से कोई नहीं धागों का बण्डल कपड़े के टुकड़े से गुणात्मक रूप से भिन्न होता है, यह किसने दावा किया? (A) सत्कार्यवाद (B) असत्कार्यवाद (C) प्रतीत्यसमुत्पाद (D) उपरोक्त में से कोई नहीं तथाकथित की गई है? (A) सव्यभिचार (B) बाधित (C) विरुखित की गई है? (A) सव्यक्ति के संस्थापक कौन हैं? (B) टैगोर			





22.	Brah	man is self-luminous; so \underline{maya} ca	nnot	conceal Brahman is proved by :
	(A)	<u>Tirodhānānupapatti</u>	(B)	As'rayānupapatti
	(C)	<u>Nivartakānupapatti</u>	(D)	Nivarty a nupapatti
23.	The a	author of the ' <u>City of God</u> ' is :		
	(A)	Democritus	(B)	Pythagoras
	(C)	St. Augustine	(D)	Parmenides
24.	<u>Apei</u>	ron is the fundamental source of t	he un	iverse according to :
	(A)	Plato (B) Anaximen	es	(C) Anaximander (D) Aristotle
25.	Acco	ording to Kant :		
	(A)	Only phenomenon can be known	1	
	(B)	Only Noumenon can be known		
	(C)	Both Phenomenon and Noumeno	n can	be known
	(D)	None can be known		
26.	The	Naiyāyikas upheld the theory of e	rror k	nown as :
	(A)	Asatkhyātivāda	(B)	<u>Satkhyātivada</u>
	(C)	<u>Anyathākhyātivāda</u>	(D)	<u>Akhyātivāda</u>
27.	'Boy	ond Violence' is written by :		
27.	•	Radhakrishnan	(P)	Gandhi
	(A)		(B)	
	(C)	J. Krishnamurti	(D)	Sri Aurobindo





	(C)	जे. कृष्णमूर्ति	(D)	श्री अरविंद
	(A)	राधाकृष्णन्	(B)	गाँधी
27.	'बियॉ	·-ंड वॉयलेंस' किसने लिखा है?		
	(C)	अन्यथाख्यातिवाद	(D)	अख्यातिवाद
	(A)	`	(B)	सत्ख्यातिवाद
26.		ाकों का ख्याति सिद्धान्त इस नाम से जाना जा		
	(D)	किसी को भी नहीं जाना जा सकता है।		
	(C)	दृश्यप्र <mark>पंच</mark> और पारमार्थि <mark>क</mark> दोनों को जाना उ	जा सक	ता है।
	(B)	केवल पारमार्थिक को जाना जा सकता है।		
	(A)	केवल दृश्यप्रपंच को जाना जा सकता है।		
25.	काण्ट	के अनुसार :		
	(A)	पाटा (B) एनकजामनार))	(C) एनेकजीमेंडर (D) अरस्तू
24.		अनुसार <u>एपियरॉन</u> ब्रह्माण्ड का मूलभूत स्रोत प्लेटो (B) एनेकज़ीमेनी		(C) एनेकजीमेंडर (D) अरस्तू
24			<u>4</u>	
	(C)	सेंट अगस्टीन	(D)	पार्मिनाइंडिज
	(A)	डेमोऋाइटस	(B)	पाइथागोरस
23.	' सिटी	ऑफ गॉड' का लेखक कौन है?		
	(C)	निवर्तकानुपपत्ति	(D)	निवर्त्यानुपपत्ति
	(A)	तिरोधानानुपपत्ति	(B)	आश्रयानुपपत्ति
22.	ब्रह्म र	व्वयं-प्रकाश होता है; अत: माया ब्रह्म को छि	पा नहीं	सकती है। यह किसके द्वारा प्रमाणित किया गया?





Intui	tion a	nd In	tellect	are c	omplement	tary to	each	other ac	cordii	ng to:				
(A)	Berg	son				(B)	Kan	t						
(C)	Radł	nakris	hnan			(D)	Aml	oedkar						
	epts v	vithou	ıt con	cepts	are blind, o	concep	ots wit	hout per	cepts	are en	npt	y' ac	cording	,
(A)	Plato)		(B)	Descartes		(C)	Leibniz	2	(I	D)	Kan	t	
The o	discus	sion c	of the	four s	tates of <u>atr</u>	nan is	s foun	d in :						
(A)	Śveta	ās'vata	aropa	nisad		(B)	Mur	ıḍakopaı	nisad					
(C)	Māņ	ḍūkyo	panis	sad		(D)	Taitt	ir <mark>ī</mark> yopar	isad					
		List-	-I wit	h <i>Lis</i>	<i>t-II</i> and cl	noose	the co	orrect an	swer	from	the	code	e given	
belov	N:													L
belov	v : List-	-I					List	-II						l
(a)	List-	-I yas u t	ra —			(i)		-II arāyaņa						ı
	List-					(i) (ii)	Bāda							L
(a)	List- Nyā Nyā	yas u t yabin		īrika			Bāda Nāg	arāyaṇa						
(a) (b)	Nyā Nyā Mad	yas u t yabin	du aka kā	īrika		(ii)	Bāda Nāg Gau	arāyaṇa ārjuna						
(a) (b) (c)	Nyā Nyā Mad Brah	yas u t yabin hyam	du aka kā	īrika		(ii)	Bāda Nāg Gau	arāyaṇa ārjuna tama						I
(a)(b)(c)(d)	Nyā Nyā Mad Brah	yas u t yabin hyam	du aka kā	īrika (d)		(ii)	Bāda Nāg Gau	arāyaṇa ārjuna tama						
(a)(b)(c)(d)	Nya Nya Mad Brah	yasut yabin hyam masu	du aka kā			(ii)	Bāda Nāg Gau	arāyaṇa ārjuna tama						L
(a)(b)(c)(d)Code	Nya Nya Mad Brah	yasut yabin hyam masu	du aka kā tra	(d)		(ii)	Bāda Nāg Gau	arāyaṇa ārjuna tama						L
(a)(b)(c)(d)Code(A)	Nya Nya Mad Brah (i)	yasut yabin hyam masu (b)	aka kā tra (c) (iii)	(d) (iv)		(ii)	Bāda Nāg Gau	arāyaṇa ārjuna tama						
	(A) (C) 'Perc to: (A) The (A) (C)	(A) Berg (C) Radh 'Percepts v to: (A) Plate The discuss (A) Svets (C) Māṇ Match the	(A) Bergson (C) Radhakris 'Percepts withouto: (A) Plato The discussion of (A) Śvetās'vata (C) Māṇḍūkyo	 (A) Bergson (C) Radhakrishnan 'Percepts without conto: (A) Plato The discussion of the (A) Svetās'vataropa (C) Māṇḍūkyopanis Match the List-I with 	(A) Bergson (C) Radhakrishnan 'Percepts without concepts to: (A) Plato (B) The discussion of the four some service of t	(A) Bergson (C) Radhakrishnan 'Percepts without concepts are blind, of to: (A) Plato (B) Descartes The discussion of the four states of atr (A) Svetās'vataropanisad (C) Māṇḍūkyopanisad Match the List-I with List-II and ch	(A) Bergson (B) (C) Radhakrishnan (D) 'Percepts without concepts are blind, concepto: (A) Plato (B) Descartes The discussion of the four states of atman is (A) Svetās'vataropanisad (B) (C) Māṇḍūkyopanisad (D) Match the List-I with List-II and choose	(A) Bergson (B) Kanar (C) Radhakrishnan (D) Amb (D) Am	(A) Bergson (B) Kant (C) Radhakrishnan (D) Ambedkar 'Percepts without concepts are blind, concepts without per to: (A) Plato (B) Descartes (C) Leibniz The discussion of the four states of atman is found in: (A) Svetās'vataropanisad (B) Muṇḍakopan (C) Māṇḍūkyopanisad (D) Taittirīyopan Match the List-I with List-II and choose the correct and	(A) Bergson (B) Kant (C) Radhakrishnan (D) Ambedkar 'Percepts without concepts are blind, concepts without percepts to: (A) Plato (B) Descartes (C) Leibniz The discussion of the four states of atman is found in: (A) Svetas'vataropanisad (B) Muṇḍakopanisad (C) Māṇḍūkyopanisad (D) Taittirīyopanisad Match the List-I with List-II and choose the correct answer	(A) Bergson (B) Kant (C) Radhakrishnan (D) Ambedkar 'Percepts without concepts are blind, concepts without percepts are er to: (A) Plato (B) Descartes (C) Leibniz (I) The discussion of the four states of atman is found in: (A) Svetāsvataropanisad (B) Muṇḍakopanisad (C) Māṇḍūkyopanisad (D) Taittirīyopanisad Match the List-I with List-II and choose the correct answer from	(A) Bergson (B) Kant (C) Radhakrishnan (D) Ambedkar 'Percepts without concepts are blind, concepts without percepts are empt to: (A) Plato (B) Descartes (C) Leibniz (D) The discussion of the four states of atman is found in: (A) Svetāsvataropanisad (B) Muṇḍakopanisad (C) Māṇḍūkyopanisad (D) Taittirīyopanisad Match the List-I with List-II and choose the correct answer from the	(C) Radhakrishnan (D) Ambedkar 'Percepts without concepts are blind, concepts without percepts are empty' act to: (A) Plato (B) Descartes (C) Leibniz (D) Kan The discussion of the four states of atman is found in: (A) Svetāsvataropanisad (B) Muṇḍakopanisad (C) Māṇḍūkyopanisad (D) Taittirīyopanisad Match the List-I with List-II and choose the correct answer from the code	(A) Bergson (B) Kant (C) Radhakrishnan (D) Ambedkar 'Percepts without concepts are blind, concepts without percepts are empty' according to: (A) Plato (B) Descartes (C) Leibniz (D) Kant The discussion of the four states of atman is found in: (A) Śvetās'vataropanisad (B) Muṇḍakopanisad (C) Māṇḍūkyopanisad (D) Taittirīyopanisad

10





28.	अंत: ः	अनुभूति	। और प्र	प्रज्ञा एक	-दूसरे	के पूरव	ਨ है :								
	(A)	बर्गसन	₹				(B)	, 7	काण्ट						
	(C)	राधाकृ	ज्णान्				(D)) 3	अम्बेः	डकर					
29.	किसवे हैं''?	न् अनुस	ार 'इंद्रि	(य संवे	दनाओं	के बिना	बुद्धि विकर	त्प पं	ांगु हैं,	ন্তুद্ধি বি	कल्पों व	के बिन	॥ इन्द्रि	य संवेदना	यें अंध
	(A)	प्लेटो			(B)	डेकार्ट	È	((C)	लाइब्नि	়্ ज		(D)	कान्ट	
30.	आत्मा	की चा	ार अवस	<u>ध्</u> थाओं व	का विवे	चन कि	स उपनिषद्	में ह	आ है	;?					
			रवतरोप •				(B)			क्रोपनिष द्	`				
	(C)	माण्ड	क्योपनि	षद्			(D)) (तैतिरी	योपनिषद					
31.	सूची-	<i>I</i> का सृ	<i>पूची-</i> II	! से मि	लान करे	रं और न	नीचे दिये कू	ट सं	केतों	में से सर्ह	ो उत्तर	का च	यन करे	:	
		सूची-	-I				सूची-II								
	(a)	न्यायस्	रूत्र			(i)	बादरायण								
	(b)	न्यायि	बंदु			(ii)	नागार्जुन								
	(c)	मध्यम	ाककारि	का		(iii)	गौतम								
	(d)	ब्रह्मसू	त्र			(iv)	धर्मकीर्ति	f							
	कूट र	नंकेत :													
		(a)	<i>(b)</i>	(c)	(d)										
	(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)										
	(B)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)										
	(C)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)										
	(D)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)										





32. Match the *List-II* with *List-II* and choose the correct answer from the code given below:

List-I

(Thinkers)

- (a) Spinoza
- (b) Leibnitz
- (c) Aristotle
- (d) Kant

Code:

- (a) (b) (c) (d)
- (A) (i) (iv) (ii) (iii)
- (B) (ii) (i) (iii) (iv)
- (C) (iii) (ii) (i) (iv)
- (D) (iv) (iii) (ii) (i)

List-II

(Theories)

- (i) Intellectual love of God
- (ii) Unmoved mover
- (iii) Transcendental unity of apperception
- (iv) Pre-established Harmony

33. Match the *List-II* with *List-III* and choose the correct answer from the code given below:

(i)

List-I

(Works)

- (a) Nyāya
- (b) Prabhākara
- (c) Samkara
- (d) Kumārila

List-II

(Theories)

Anirvacaniyakhyāti

- (ii) Akhyāti
- (iii) Viparitakhyāti
- (iv) Anyathākhyāti

Code:

- (a) (b) (c) (d)
- (A) (iii) (ii) (iv)
- (B) (iv) (ii) (i) (iii)
- (C) (i) (ii) (iii) (iv)
- (D) (ii) (i) (iv) (iii)



मूची-I का *मूची-II* से मिलान करें और नीचे दिये कूट से सही उत्तर का चयन करें : 32.

सूची-I

सूची-II

(विचारक)

(सिद्धान्त)

- स्पिनोजा (a)
- ईश्वर का बौद्धिक प्रेम (i)
- लाइबनीज (b)
- अप्रवर्तित प्रवर्त्तक (ii)
- (c) अरस्तू
- प्रागनुभविक अहं प्रत्यय एकत्व (iii)

(d) काण्ट

पूर्वस्थापित सामंजस्य (iv)

कुट :

(b) (c) (a)

(d)

- (A) (iii) (i) (iv) (ii)
- (B) (i) (iii) (iv) (ii)
- (C) (iii) (ii) (i) (iv)
- (D) (iv) (iii) (ii) (i)

33. सूची-I का सूची-II से सुमेलित करें और नीचे दिये कूट संकेतों से सही उत्तर का चयन करें :

सूची-11

अनिर्वचनीयख्याति

सूची-1

(सिद्धान्त)

(i)

(कृति)

- न्याय (a)
- प्रभाकर (b)
- अख्याति (ii)
- शंकर (c)

- विपरीतख्याति (iii)
- कुमारिल (d)
- अन्यथाख्याति (iv)

कूट :

- *(b)* (c) *(d)* (a)
- (A) (iii) (ii) (i) (iv)
- (B) (iv) (ii) (i) (iii)
- (C) (i) (ii) (iv) (iii)
- (D) (ii) (i) (iv) (iii)





34. Match the *List-II* with *List-II* and choose the correct answer from the code given below:

List-I

(Theories)

- (a) Idealism
- (b) Realism
- (c) Pragmatism
- (d) Subjective Idealism

Code:

- (a) (b) (c) (d)
- (A) (iv) (ii) (i) (iii)
- (B) (iv) (i) (ii) (iii)
- (C) (i) (ii) (iii) (iv)
- (D) (ii) (iii) (iv) (i)

List-II

(Thinkers)

- (i) G.E. Moore
- (ii) William James
- (iii) Berkeley
- (iv) Hegel

35. Match the *List-II* with *List-III* and choose the correct answer from the code given below:

(i)

List-I

(Thinkers)

- (a) Sri Aurobindo
- (b) Radhakrishnan
- (c) Gandhi
- (d) Annambhatta

List-II

(Theories)

The Human Cycle

- (ii) My Experiments with Truth
- (iii) Tarkasangraha
- (iv) The Hindu View of Life

Code:

- (a) (b) (c) (d)
- (A) (i) (iv) (ii) (iii)
- (B) (ii) (iii) (iv) (i)
- (C) (i) (ii) (iii) (iv)
- (D) (iii) (i) (iv) (ii)



मूची-I का *मूची-II* से मिलान करें और नीचे दिये कूट संकेतों में से उत्तर का चयन करें : **34.**

सूची-I

सूची-II

(सिद्धान्त)

(चिन्तक)

आदर्शवाद (a)

जी.ई. मूर (i)

(b) वास्तववाद

विलियम जेम्स (ii)

व्यवहारवाद (c)

- (iii) बर्कले
- आत्मनिष्ठ आदर्शवाद (d)
- (iv) हेगल

कूट संकेत :

- **(b)** (a)
- (c) *(d)*
- (A)
- (ii) (iv)
- (i) (iii)
- (B) (iv)
- (i)

(ii)

(iii)

- (ii) (iii)
- (C) (i)
- (iii) (iv)
- (D) (ii)
- (iv) (i)

सूची-I का सूची-II से मिलान करें और नीचे दिये कूट संकेतों से सही उत्तर का चयन करें : 35.

सूची-I

सूची-II

(चिन्तक)

(सिद्धान्त)

- श्री अरविन्द (a)
- दी ह्यूमन साइकिल (i)
- राधाकृष्णन् (b)
- माई एक्सपेरिमेंटस् वीद ट्रूथ (ii)

गाँधी (c)

- तर्कसंग्रह (iii)
- अन्नंभट्ट (d)
- दी हिन्दू व्यू ऑफ लाईफ (iv)

कूट संकेत :

- *(b)* (a)
- (c) *(d)*

(iii)

(i)

- (A) (i)
- (ii)
- (B) (ii)
- (iii) (iv)

(iv)

- (C) (i)
- (ii)
- (iv) (iii)
- (D) (iii)
- (i)
- (iv) (ii)





36. Match the *List-II* with *List-II* and choose the correct answer from the code given below :

List-I

List-II

(Theories)

(Thinkers)

- (a) The identity of indiscernibles
- (i) Russell
- (b) Category mistake
- (ii) Leibnitz

(c) Logical atomism

- (iii) Husserl
- (d) The phenomenological method
- (iv) Gilbert Ryle

Code:

- (a) (b) (c) (d)
- (A) (ii) (iv) (i) (iii)
- (B) (iii) (i) (iv) (ii)
- (C) (i) (ii) (iii) (iv)
- (D) (ii) (iii) (iv) (i)

37. Match the *List-II* with *List-III* and choose the correct answer from the code given below:

(ii)

List-I

(Thinker)

(Theories)

List-II

(a) Vivekananda

(i) Spiritual evolution

Practical Vedanta

(b) Sri Aurobindo

(iii) Sarvodaya

(c) Tagore

(iv) Aesthetic Mysticism

(d) Gandhi

Code:

- (a) (b) (c) (d)
- (A) (ii) (i) (iv) (iii)
- (B) (iv) (ii) (iii) (i)
- (C) (i) (iii) (iv) (ii)
- (D) (iii) (iv) (ii) (i)



36. सूची-I का सूची-II से मिलान करें और नीचे दिये कूट संकेतों में से सही उत्तर का चयन करें :

सूची-I

सूची-II

(सिद्धान्त)

(चिन्तक)

- (a) अविभेधों का तादात्म्य
- (i) रसल
- (b) कैटीगरी मिस्टेक
- (ii) लाइब्निट्ज़
- (c) तार्किक परमाणुवाद
- (iii) हुसरल
- (d) दृश्यप्रपंचशास्त्रीय विधि (फेनोमिनेलोजिकल मेथड)
- (iv) गिलबर्ट राइल

कूट संकेत :

(a) (b) (c)

(d)

- (A) (ii) (iv) (i) (iii)
- (B) (iii) (i) (iv) (ii)
- (C) (i) (ii) (iii) (iv)
- (D) (ii) (iii) (iv) (i)
- 37. सूची-I का सूची-II से मिलान करें और नीचे दिये कूट संकेतों से सही उत्तर का चयन करें :

सूची-1

(चिन्तक)

सूची-II

(सिद्धान्त)

- (a) विवेकानंद
- (i) आध्यात्मिक विकास
- (b) श्री अरविंद
- (ii) व्यावहारिक वेदान्त

(c) टैगोर

(iii) सर्वोदय

(d) गाँधी

(iv) सौन्दर्यगत अनुभाव

कूट संकेत :

- (a) (b) (c) (d)
- (A) (ii) (i) (iv) (iii)
- (B) (iv) (ii) (iii) (i)
- (C) (i) (iii) (iv) (ii)
- (D) (iii) (iv) (ii) (i)





Instructions:

The following items 38–42 consist of two statements one labelled the **Assertion (A)** and the other labelled the **Reason (R)**. You are to examine these two statements carefully and decide if the Assertion A and Reason R are individually true and if so whether the Reason is a correct explanation of Assertion. Select your answers to these items using the codes given below and mark your answer sheet accordingly.

Codes:

- (A) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).
- (B) Both **(A)** and **(R)** are true and **(R)** is *not* a correct explanation of **(A)**.
- (C) **(A)** is true but **(R)** is false.
- (D) **(A)** is false but **(R)** is true.
- **38.** Assertion (A) : $\underline{\text{Pram}}\overline{a}$ is defined as "experience of the object as it is".
 - Reason (R) : There is structural correspondence between object and

knowledge.

- **39.** Assertion (A) : A thing is momentary.
 - Reason (R) : A thing is causally efficient.
- **40.** Assertion (A) : According to the logical positivist, anything is true if its meaning

could be verified.

Reason (R) : Metaphysics is meaningful.

41. Assertion (A) : A thing is suabhava - s'unya.

Reason (R) : A thing is pratity as a mutpanna.

42. *Assertion* (*A*) : Plato advocates that 'The Good' is the highest reality.

Reason (R) : Plato says that the soul is tripartite.

- 43. Choose the correct sequence of triple process of evolution according to Sri Aurobindo:
 - (A) Widening, Heightening, Integration
 - (B) Heightening, Widening, Integration
 - (C) Integration, Heightening, Widening
 - (D) Heightening, Integration, Widening

D - 0308 18





निर्देश :

निम्नलिखित प्रश्नांशों 38–42 में दो वक्तव्य हैं। एक को **कथन** (A) और दूसरे को **कारण** (R) कहा गया है। आपको दोनों वक्तव्यों का सावधानी पूर्वक परीक्षण करना है और निर्णय करना है कि क्या **कथन** (A) तथा **कारण** (R) पृथक्-पृथक् सही हैं और यदि ऐसा है तो क्या, कारण, कथन का सही स्पष्टीकरण है। इन प्रश्नांशों का उत्तर नीचे दिये हुए कृट की सहायता से चुनिये और अपने उत्तर पत्रक में तदनुसार अंकित कीजिये।

कूट :

- (A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
- (B) (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
- (C) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है।
- (D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है।
- **38. कथन** (A) : यथार्थानुभव: प्रमा।
 - कारण (R) : प्रमा और वस्तु में संरचनात्मक अनुरूपता होती है।
- **39. कथन** (A) : वस्तु क्षणिक है।
 - कारण (R) : वस्तु अर्थिक्रियासमर्थ है।
- 40. कथन (A) : तार्किक प्रत्यक्षवादी के अनुसार, कुछ भी सत्य है यदि उसके अर्थ का सत्यापन किया जा सकता है।
 - कारण (R) : तत्त्वमीमांसा अर्थपूर्ण होती है।
- 41. **कथन** (A) : वस्तु स्वभावशून्य है।
 - कारण (R) : वस्तु प्रतीत्यसमुत्पन्न है।
- 42. कथन (A) : प्लेटो प्रतिपादित करते हैं कि 'परमशुभ' परमार्थिक सत् है।
 - कारण (R) : प्लेटो कहता है कि आत्मा त्रैविध्य है।
- 43. श्री अरविन्द के अनुसार विकास की त्रिविध का सही ऋम है:
 - (A) विस्तारण, उन्नयन, समाकलन
 - (B) उन्नयन, विस्तारण, समाकलन
 - (C) समाकलन, उन्नयन, विस्तारण
 - (D) उन्नयन, समाकलन, विस्तारण





44. Choose the correct sequence:

- (A) <u>Tṛṣṇā, upādāna, bhava, jāti</u> (B) Avidyā, vijñāna, nāmarūpa, sadāyatan
- (C) Vedanā, spars'a, trsnā, upādāna (D) Bhava, vedanā, jāti, jarāmaraņa
- **45.** Arrange the correct sequence of the books using the code given below :
 - (i) Ethics
 - (ii) Varieties of Religious experience
 - (iii) The Republic
 - (iv) A treatise on human nature

Code:

(A) (i), (iii), (iv), (ii)

(B) (ii), (i), (iii), (iv)

(C) (i), (iii), (ii), (iv)

(D) (iii), (i), (iv), (ii)

Read the following passage and answer the questions 46 to 50:

Just as 'beautiful' points the way for aesthetics and 'good' for ethics, so do words like 'true' for logic. All sciences have truth as their goal; but logic is also concerned with it in a quite different way: logic has much the same relation to truth as physics has to weight or heat. To discover truths is the task of all sciences; it falls to logic to discern the laws of truth. The word 'law' is used in two senses. When we speak of moral or civil laws we mean prescriptions, which ought to be obeyed but with which actual occurrences are not always in conformity. Laws of nature are general features of what happens in nature, and occurrences in nature are always in accordance with them. It is rather in this sense that I speak of laws of truth. Here of course it is not a matter of what happens but of what is. From the laws of truth there follow prescriptions about asserting, thinking, judging, inferring. And we may very well speak of laws of thought in this way too. But there is at once a danger here of confusing different things. People may very well interpret the expression 'law of thought, by analogy with 'law of nature'

D - 0308 20





44. सही ऋम का चयन करें :

(A) तृष्णा, उपादान, भव, जाति

(B) अविद्या, विज्ञान, नामरूप, षडायतन

(C) वेदना, स्पर्श, तृष्णा, उपादान

(D) भव, वेदना, जाति, जरामरण

45. निम्नलिखित कृतियों को उनकी रचना किये जाने के वर्ष के ऋम में रखें, नीचे दिये कूट संकेतों का उपयोग करें:

- (i) एथिक्स
- (ii) वेराइटीस् ऑफ रिलीजियस एक्सपीरियंस
- (iii) दी रिपब्लिक
- (iv) ए ट्रीटाइस् ऑन ह्यूमन नेचर

कूट :

(A) (i), (iii), (iv), (ii)

(B) (ii), (i), (iii), (iv)

(C) (i), (iii), (ii), (iv)

(D) (iii), (i), (iv), (ii)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्न संख्या 46 से 50 के उत्तर दीजिये :

जिस प्रकार 'सुन्दर' शब्द सौन्दर्यशास्त्र का संकेत करता है और 'शुभ' नीतिशास्त्र का, उसी प्रकार 'सत्य' तर्कशास्त्र का संकेत करता है। सभी विज्ञानों का लक्ष्य सत्य होता है, परन्तु तर्कशास्त्र इससे सर्वथा भिन्न प्रकार से संबंधित है। तर्कशास्त्र का सत्य से वैसा ही संबन्ध है जैसा भौतिकशास्त्र का वजन एवं ऊष्मा से होता है। सत्य की खोज करना सभी विज्ञानों का कार्य होता है। परन्तु सत्य के नियमों की पहचान करना तर्कशास्त्र का कार्य है। 'नियम' शब्द का प्रयोग दो अर्थों में किया जाता है। जब हम नैतिक या नागरिक नियमों की बात करते हैं तब हमारा मतलब निर्देश से होता है जिनका पालन किया जाना चाहिये। परन्तु उनका वास्तविक पालन तदनुरूप सदैव नहीं होता है। जो कुछ प्रकृति में घटता है उसकी सामान्य विशेषतायें ही प्रकृति के नियम हैं और प्रकृति में जो घटनायें घटित होती हैं वे उसके अनुरूप होती है। इस सन्दर्भ में वस्तुतः यह प्रश्न नहीं है कि 'क्या घटता है', बिल्क 'क्या है'। सत्य के नियमों से कथन करने, चिन्तन करने, न्याय करने तथा अनुमान करने जैसी प्रक्रिया से संबंधित निर्देश नि:सृत होते हैं। परन्तु इसके साथ ही यहाँ विभिन्न बातों के संभ्रमित करने का संकट भी है। लोग





and then have in mind general features of thinking as a mental occurrence. A law of thought in this sense would be a psychological law. And so they might come to believe that logic deals with the mental process of thinking and with the psychological laws in accordance with which this takes place. That would be misunderstanding the task of logic, for truth has not here been given its proper place.

	logic, for truth has not here been given its proper place.								
				- Wittgenstein.					
46.	The	word 'law' is used as prescription	when	we use it in the sense of:					
	(A)	Moral law only	(B)	Civic law only					
	(C)	Both (A) and (B)	(D)	Law of Nature					
47	۸	undings to the couthou tweth is the co	1 -£						
47.	Acco	ording to the author, truth is the go	oai oi	:					
	(A)	Major sciences	(B)	All sciences					
	(C)	Logic only	(D)	The Supreme Court of a Country					
48.	The	distinction between laws of truth a	and la	ws of nature lies in :					
	(A)	Their goal	(B)	Their means					
	(C)	Both (A) and (B)	(D)	Neither (A) nor (B)					
49.	The	law de <mark>ali</mark> ng with th <mark>e</mark> mental proce	ss of	chinking is known as:					
	(A)	Psychological law	(B)	Law of thought					
	(C)	Law of nature	(D)	None of the above					
50.	The	task of Logic according to the auth	or is	:					
	(A)	Discernment of laws of truth							
	(B)	Explanation of inferencial proces	s						
	(C)	Analysis of mental process of thir	nking						
	(D)	Framing of arguments							





नैसर्गिक ढंग से 'विचार के नियम' की अभिव्यक्ति की व्याख्या 'प्रकृति के नियम' के साथ तुलना करके कर सकते हैं और तब वे अपने मस्तिष्क में चिन्तन की सामान्य विशेषताओं को एक मानसिक घटना के रूप में स्वीकार कर सकते हैं। इस अर्थ में चिन्तन का कोई नियम मनोवैज्ञानिक नियम होगा। तब वे यह विश्वास करने लगेंगे कि तर्कशास्त्र चिन्तन की मानसिक प्रक्रिया और मनोवैज्ञानिक नियम जिसके अनुसार यह घटित होता है, के साथ संबंधित है। यह तर्कशास्त्र के कार्य के विषय में एक भ्रामक दृष्टिकोण होगा क्योंकि सत्य को यहाँ पर उसका

- विटगन्स्टाइन

	उचित स्थान नहीं दिया गया है।			
				- विटगन्स
46. नियम शब्द का प्रयोग निर्देश के रूप में तब होता है जब इसका				सका प्रयोग हम निम्नलिखित भाव में करते हैं :
	(A)	केवल नैतिक नियम	(B)	केवल नागरिक नियम
	(C)	दोनों (A) एवं (B)	(D)	प्राकृतिक नियम
47.	लेखव	क के अनुसार निम्नलिखित में सत्य लक्ष्य i	} :	
	(A)	प्रमुख विज्ञान	(B)	सभी विज्ञान
	(C)	केवल तर्कशास्त्र	(D)	किसी देश का सर्वोच्च न्यायालय
48.	सत्य के नियम और प्रकृति के नियम के <mark>बीच भेद निम्नलिखित में पाया जाता है</mark> :			
	(A)	उनके लक्ष्य	(B)	उनके साधन
	(C)	दोनों (A) एवं (B)	(D)	ਰ (A), ਰ (B)
	` ` `			
49.		यम चिन्तन की मानसिक प्रक्रिया से संबंधि		
	(A)	मनोवैज्ञानिक नियम	(B)	वैचारिक नियम
	(C)	प्राकृतिक नियम	(D)	उपर्युक्त में से कोई नहीं
50.	लेखक के अनुसार तर्कशास्त्र का निम्न कार्य है :			
	(A)	सत्य के नियम की पहचान		
	(B)	आनुमानिक प्रक्रिया की व्याख्या		
	(C) विचार की मानसिक प्रक्रिया का विश्लेषण			
	(D)	तर्क की संरचना		

- o O o -





Space For Rough Work

